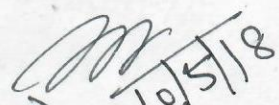




उसी शक्ति के विभाजन का चक्र चलने योग्य नहीं है।  
 का. मुहान्मूला के आधा पर ~~पुनः~~ इस विच्छेद पर  
 पहुँचते हैं कि पूर्व में ~~आपकी~~ सहस्री दे खाता। विभाजन  
 होने के कारण पुनः खाता। विभाजन का खाता स्वीकार  
 योग्य नहीं होने के काल इन्हीं क्षण पर खाता  
 विभा जाता है। वही पूर्व में खाता विभाजन के  
 निर्णय के विच्छेद खाता न्यायालय में ~~खाता~~  
 कपील द्वारा कर कनुतोक पुनः इतने हेतु  
 स्वयं हैं।

निर्णय मजमें काठ सुनाया जाकर  
~~विच्छेद~~ ~~पुनः~~ मेरे द्वारा लिखवाया ~~जाता~~  
~~गया~~ गया।

पञ्चायती केवल सुना होकर पत्र  
 दर्ज हो।

  
 (मनमोहन मीना)  
 विभाजन के विभाजन  
 २०१५  
 केस ६१५३